तर्ज--जन्म जन्म का साथ है

धाम की निसबत है पिया तुम्हारी हमारी
माना भटक गई है आकर रूहें यहां तुम्हारी
1--मेरे दिल की देखियो,
दर्द ना कछु इश्क
ना सेवा ना बंदगी,
ए मेरी बीतक
पल पल हमको याद दिलाती वाणी ये तुम्हारी
2--ज्यों ज्यों तुम कृपा करी,
मैं त्यों त्यों किये अवगुन
तिन पर फेर तुम मेहर करी,
मैं फेर फेर किये विघन
फिर भी हमें सहारा देती,मेहर तुम्हारी
3--तारतम सब समझहीं,
धाम सैयां हम बहन
तिन भी ब्रोध छूट्या नही,
ए भी लगे दुख देन
जान के भी अनजान बने,क्या हो गई दशा हमारी

Nijanand App